

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पाकिस्तान पर पलटवार : पीएम शाहबाज शरीफ की बयानबाजी पर कड़ा जवाब

Publisher

Published on 27 Sep 2025



संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस बार भारत और पाकिस्तान के बीच **कूटनीतिक जंग** देखने को मिली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री **शाहबाज शरीफ** के बयान और आरोपों के जवाब में भारत ने कड़ा पलटवार किया। भारत के स्थायी मिशन की फर्स्ट सेक्रेटरी **पेटल गहलोत** ने पाकिस्तान को आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर घेरा और पड़ोसी देश की पोल खोल दी।

पाकिस्तान के पीएम का बयान और विवाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण में भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत क्षेत्रीय तनाव बढ़ा रहा है और पाकिस्तान की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है। उनके बयान में भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी और कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दों का जिक्र शामिल था।

हालांकि, उनके इस बयान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में राजनीतिक ड्रामा और बेतुकी आरोपों के रूप में देखा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान लगातार अपने आंतरिक संकट और आतंकवाद से जुड़े मामलों को छुपाने के लिए **भारत पर दोष मढ़ने की रणनीति** अपनाता रहा है।

भारत का कड़ा जवाब

भारत ने पाकिस्तान के इन आरोपों का **कूटनीतिक और तथ्यात्मक जवाब** दिया। भारत के स्थायी मिशन की फर्स्ट सेक्रेटरी **पेटल गहलोत** ने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पोषण देने वाला देश है और उसके द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं।

गहलोत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि पाकिस्तान ने वर्षों से **आतंकवादी समूहों को सुरक्षित आश्रय दिया है**, जो भारत और अन्य देशों के लिए खतरा बनते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान की भूमिका संदेहास्पद है और उसे अपनी नीति पर सुधार करने की जरूरत है।

आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा पर फोकस

पेटल गहलोत ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा **शांति और स्थिरता** के पक्ष में रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने आंतरिक और बाहरी संकटों को छुपाने के लिए भारत पर आरोप लगा रहा है।

उन्होंने आतंकवाद और सीमा पार हमलों के सबूत पेश किए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बताया कि कैसे पाकिस्तान **जिहादी और आतंकवादी संगठनों को बढ़ावा देता है**। इस कड़े बयान ने पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि पर सवाल खड़ा कर दिया।

राजनीतिक और कूटनीतिक महत्व

इस घटना का अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विशेष महत्व है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत ने पाकिस्तान के **राजनीतिक ड्रामा और आरोपों** के खिलाफ स्पष्ट और निर्णायक रुख दिखाया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस तरह का जवाब भारत की **कूटनीतिक मजबूती और तथ्य आधारित नीति** को दर्शाता है। यह संदेश भी देता है कि भारत किसी भी आरोप और राजनीतिक दबाव के सामने शांत और प्रभावी तरीके से प्रतिक्रिया देने में सक्षम है।

मीडिया और वैश्विक प्रतिक्रिया

भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस पलटवार को व्यापक रूप से कवर किया। कई समाचार चैनलों और विशेषज्ञों ने इसे **भारत की निर्णायक और तथ्यात्मक प्रतिक्रिया** बताया। वहीं, पाकिस्तान की बयानबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर **राजनीतिक नाटक और असंगत आरोपों** के रूप में देखा गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि पर **नकारात्मक प्रभाव** डाल सकती है और आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक नजरिए को बदल सकती है।

भविष्य में कूटनीतिक दिशा

भारत ने स्पष्ट किया है कि वह क्षेत्रीय शांति और आतंकवाद से निपटने के लिए हमेशा **सतर्क और सक्रिय** रहेगा। पाकिस्तान की बेतुकी बयानबाजी के बावजूद भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर **सकारात्मक और तथ्यात्मक कूटनीति** अपनाई।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक संवाद जारी रहेगा, लेकिन भारत **सुधारित और प्रभावी कूटनीतिक रुख** के साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सही जानकारी देगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ के बयान और भारत के जवाब ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नया मोड़ ला दिया। भारत ने स्पष्ट किया कि वह **आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा** के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं करेगा।